

समाजवादी विभाग

सत्र - २०२३-२४

19 अक्टूबर २०२३ को समाजवादी विभाग की ओर से एक प्रस्तावना कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके मुख्य वक्ता प्राध्यापक सुरजदेव सिंह थे।

6 मार्च २०२४ को महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला अधिकारों पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता सुजान गोयल N.G.O संचालिका थीं।

अक्टूबर
२

माता-पिता का बंधन हमारे लिए बहुत आवश्यक : गुंजन

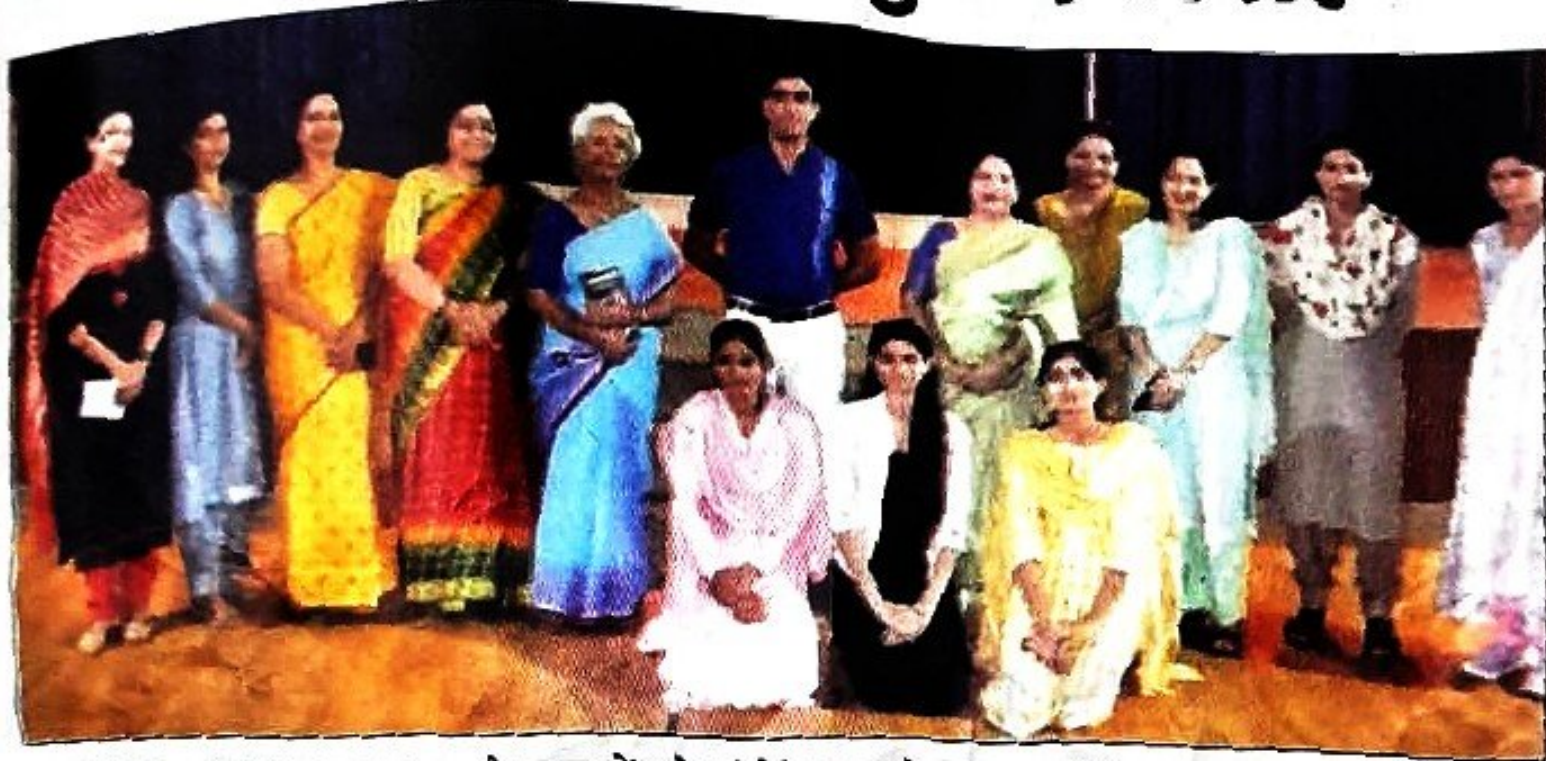


नभ-छोर न्यूज ►► 07 मार्च

हिसार। फतेहचन्द महिला महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ इकाई, समाज शास्त्र विभाग एवं राजनीतिक विज्ञान विभाग के संयुक्त सौजन्य से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। प्राचार्या डॉ. अनीता सहरावत ने नारायणी कल्याण समिति की फाउंडर गुंजन गोयल का स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए कहा कि हमें अपने आप को भाग्यशाली समझना चाहिए कि हमें पढ़ने-पढ़ाने का अवसर प्राप्त हुआ है। मुख्य वक्ता गुंजन गोयल ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें अपने कर्तव्य को निभाते-निभाते अपनी भावनाओं एवं संस्कारों का भी ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने एक कथा के माध्यम से छात्राओं को बताया कि हमारे विचार और सोच ही हमारी परिस्थितियों को बनाती है। उन्होंने कहा कि माता-पिता का बंधन हमारे लिए बहुत आवश्यक है। जिन बागों के माली नहीं होते वे बाग जल्दी ही उजड़ जाते हैं। इसी प्रकार हमारी देखभाल करने के लिए बंधन होना आवश्यक है। अंत में प्राचार्या ने गुंजन गोयल को पुष्प देकर धन्यवाद किया।

किया। संपादक : ऋषि सैनी, आरएनआई नंबर 37460/80

प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई प्रतिभा अवश्य होती है : सुखदेव सिंह



नम-छोर न्यूज 19 अक्टूबर
हिसार। फतेहचन्द महिला
महाविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग
के सौजन्य से एक व्याख्यान का
आयोजन किया गया। वरिष्ठ
प्राध्यापिका सुषमा गांधी ने मुख्य वक्ता
प्रोफेसर सुखदेव सिंह का स्वागत
किया। मुख्य वक्ता प्रो. सुखदेव सिंह

ने छात्राओं की संबोधित करते हुए
कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल
शैक्षणिक विकास न होकर सर्वांगीण
विकास है। हम सभी के अन्दर कोई न
कोई प्रतिभा अवश्य होती है। छात्राओं
को अपनी प्रतिभा को पहचान कर
कोई न कोई लक्ष्य निर्धारित करना
चाहिये। उन्होने विज्ञान पुरूष डॉ.

एपीजे अब्दुल कलाम, सचिन
तेंदुलकर, मैरी कॉम, अरूणिका
सिन्हा का जीवन्त उदाहरण देते हुए
कहा कि हमें असफलता से डर कर
बैठना नहीं चाहिये बल्कि धैर्य और
सयंम को अपनाकर अपने माता-पिता
के संरक्षण में रहकर अपने लक्ष्य को
प्राप्त करना चाहिये।

सुखदेव सिंह